ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL
A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

CLASS: 12

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE: 12. 06 .2020

पाठ नाम - नशा

लघु उतरीय प्रश्न:

1) **'मैं सबसे पहले तुम्हें बुलाऊंगा|'** **(1+2=3)**

i) इस पाठ के लेखक का नाम लिखे ?

ii) पंक्ति का भाव स्पष्ट करे |

उ.i) इस पाठ के लेखक का नाम प्रेमचंद है |

ii) बीर से बातचीत करने के दौरान ठाकुर कहता है कि वह जमींदारों के अत्याचारों से परेशान हो चुका है | यदि वह अपने इलाके में उसे थोड़ी सी जमीन दे तो वही अपना गुजर बसर करेगा | तब बीर उसे दिलाशा देते हुए कहता है कि जैसे ही उसका अधिकार होगा वह सबसे पहले ठाकुर को ही बुलाएगा |

2. **'मैं जमींदारों की बुराई करता'** **(1+2=3)**

i) 'मैं' से कौन संकेतित है ?

ii) वक्ता ऐसा क्यों कहता है ?

उ. i) मैं' से बीर संकेतित है |

ii) बीर गरीब घर का लड़का है | वह देखता है कि समाज में एक वर्ग जहाँ अपनी छोटी से छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है, वहीं समाज का दूसरा वर्ग बिना मेहनत

किए ही सुख की जिंदगी जी रहे है, और गरीबों पर अत्याचार भी कर रहे है | इसलिए बीर हमेशा ही जमींदारों की बुराई करता रहता |

3. **“लेकिन भाई, एक बात का ख्याल रखना |”** **(1+1+1=3)**

i) वक्ता कौन है ?

ii) किस बात का ख्याल रखने के लिए कहा गया है ?

iii) पाठ का नाम लिखे |

उ. i) वक्ता ईश्वरी है |

ii) बीर ईश्वरी के घरवालों के सामने ही जमींदारों की बुराई न करने लगे, इस बातका ख्याल रखने के लिए कहता है |

iii) पाठ का नाम ‘नशा’ है |

4. **‘आज मैं पोतड़ो का रईस बनने का स्वांग भर रहा था |’(1+1+1=3)**

i) पोतड़ो का रईस का क्या अर्थ_है ?

ii) मैं से कौन संकेतित है?

iii) प्रस्तुत पंक्ति से वक्ता के किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है ?

उ. i) पोतड़ो का रईस का अर्थ_है - दिखावटी रईस बनना |

ii) मैं से बीर संकेतित है |

iii) इस पंक्ति से बीर के सुविधाभोगी व्यक्तित्व का पता चलता है |

5. **‘मेरा नशा अब कुछ-कुछ उतरता हुआ मालूम होता था |’** **(1+2=3)**

i) ईश्वरी ने किसे डांट लगायी ?

ii) किसका कौन-सा नशा उतरता मालूम हो रहा था?

उ.i) ईश्वरी ने बीर को डांट लगायी |

ii) बीर का रियासत के कुँवर साहब बनने का नशा उतरता मालूम हो रहा था |

6.**ईश्वरी के चरित्र की किन्ही दो विशेषताओं को लिखे |** (3)

उ. सौहार्दपूर्ण व्यवहार- जमींदार का बेटा होने केबावजूद ईश्वरी बीर के साथ हमेशा सौहार्दपूर्ण व्यवहार करता | बीर से जमींदारों की बुराई सुनने के बाद भी ईश्वरी उसका विरोध नहीं करता | वह अपने मित्रों से नर्म तरीके से पेश आता |

विलासी- चूँकि ईश्वरी जमींदार घर से था,तो विलासिता का होना स्वाभाविक ही है | सेकंड क्लास में यात्रा करना,खानसामों टिप देना आदि उसके विलासी होने के परिचायक है|

<u>शब्दार्थ:</u>

जायदाद- जगह-जमीन

न्योता - निमंत्रण

तकलीफ- कष्ट

निंदा- गुण दोष की व्याख्या

जिद- हठ

वेतन- तनख्वाह

गुस्ताखी- अशिष्टता

विनय- प्रार्थना

बुलावा- आवाहन

मनचला- मनमौजी

अख्तियार- अधिकार

संकोच- असमंजस,हिचक

NAME- PRITI TIWARI